भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

10.12.2025 के

तारांकित प्रश्न सं. 147 का उत्तर

तमिलनाडु में अमृत भारत स्टेशन योजना

***147. डॉ. एम. के. विष्णु प्रसाद:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु में विशेषकर कुड्डालोर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में अमृत भारत स्टेशन (एबीएस) योजना के अंतर्गत कितने रेलवे स्टेशनों का चयन किया गया है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान एबीएस योजना के अंतर्गत तमिलनाडु में स्टेशन पुनर्विकास कार्यों के लिए स्वीकृत, संवितरित और व्यय की गई धनराशि का वर्ष, जिला और स्टेशन-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) कितने चयनित स्टेशनों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) स्वीकृत की गई है और कार्य का वित्तीय और प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने दक्षिण रेलवे के अंतर्गत तिरुपदिरीपुलियूर, कुड्डालोर पत्तन जंक्शन, पनरुति और पेन्नाडम रेलवे स्टेशनों के तत्काल उन्नयन की आवश्यकता पर ध्यान दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 10.12.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 147 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और इन्हें चरणबद्ध रूप में कार्यान्वित करना शामिल है। मास्टर प्लान में निम्नलिखित शामिल है:-

- **स्टेशन तक पहुंच और परिचलन क्षेत्र में सुधार**
- **शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण**
- **स्टेशन भवन में सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पथ/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान**
- **लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान**
- **प्लेटफार्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफार्म पर कवर**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान**
- **पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमॉडल एकीकरण**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान**

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से कडलूर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के वृद्धाचलम जंक्शन और तिरुप्पादिरिपुलियूर स्टेशन सहित 77 स्टेशन तमिलनाडु राज्य में स्थित हैं। तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
तमिलनाडु	77	अंबासमुद्रम, अंबत्तूर, अरक्कोणम् जंक्शन, अरियालुर, आवदि, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नै बीच, चेन्नै एग्मोर, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिन्ना सेलम, क्रोमपेट, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरी, दिंडिक्कल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गुइंडी, गुम्मिडीपूंडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी टर्मिनस, कराइक्कुडी जं., करूर जंक्शन, काटपाडी, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मनापरई, मन्नारगुडी, मयिलाडुतुरै जं., मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोइल जंक्शन, नामक्कल, पलानी, परमाकुडी, पेरम्बूर, पोदनूर जंक्शन, पोलाची जं., पोलुर, पुदुक्कोट्टई, पुराची थलाईवर डॉ. एम.जी.रामचंद्रन सेंट्रल, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन,

		श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन. तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादरिप्पुलयूर, तिरुपत्तूर, तिरुप्पुर, तिरुसुलम, तिरुत्तानी, तिरुवल्लुर, तिरुवन्नामलाई, तूतीकोरिन, उदगमंडलम, वेल्लूर कैंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरुधनगर, वृद्धाचलम जंक्शन

तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, इस योजना के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य में 17 स्टेशनों (बोम्मिडी, चिदंबरम, करईक्कुडि जंक्शन, कुलितुरई, मनापरई, मन्नारगुडी, मोरप्पुर, पोलाची जंक्शन, पोलुर, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, तिरुवरूर जंक्शन, तिरुवन्नामलाई एवं वृद्धाचलम जंक्शन) का कार्य पूरा हो चुका है। इसके अलावा, 56 स्टेशनों पर निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं और 4 स्टेशनों की मास्टर योजना तैयार की जा रही है। ये कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और उपर्युक्त में से कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- तिरुप्पादिरिप्पुलयूर स्टेशन: पार्किंग क्षेत्र और संकेतकों का कार्य पूरा हो चुका है। प्रवेशद्वार, पोर्टिको, प्रतीक्षालय में सुधार, प्लेटफार्म की सतह, प्लेटफार्म शेल्टर, शौचालय, गाड़ी संकेतन बोर्ड, पहुंच मार्ग और पार्किंग क्षेत्र के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- वेल्लूर कैंट स्टेशन: परिचलन क्षेत्र, बुकिंग कार्यालय, नए प्लेटफार्म शेल्टर, टर्मिनल भवन में सुधार, प्लेटफार्म की सतह, प्रतीक्षालय, शौचालय, नई कंपाउंड दीवार, साइनबोर्ड, सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड, स्टैंडर्ड रैम्प, दिव्यांगजन पार्किंग, कम ऊँचाई वाला टिकट बूथ, दिव्यांगजन के अनुकूल शौचालय, स्पर्शनीय पथ, सुलभ मार्ग,

लैंडस्केप और स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था में सुधार के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। फिनिशिंग कार्य शुरू किए गए हैं।

- अरियालुर स्टेशन: टर्मिनल भवन के सुधार के कार्य जिनमें पोर्च, कॉनकोर्स, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय लॉबी, परिचलन क्षेत्र का सुधार, प्लेटफार्म सतह निर्माण, प्रतीक्षालय का सुधार, नया शौचालय, मानक रैंप, सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड, दिव्यांगजन पार्किंग, कम ऊँचाई वाला टिकट बूथ, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, स्पर्शनीय पथ, सुलभ मार्ग, प्रकाश व्यवस्था, मौजूदा पैदल पार पुल का सुधार, नया प्लेटफार्म शेल्टर और सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड शामिल हैं, पूरे कर लिए गए हैं। नए 6 मीटर पैदल पार पुल का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

- रामेश्वरम स्टेशन: पूर्वी/उत्तरी टर्मिनल भवन, प्रस्थान अग्रभाग, आगमन अग्रभाग, आवासीय टावर, सब-स्टेशन भवन, क्षारीय जल शोधन संयंत्र और अपशिष्ट जल प्रबंधन संयंत्र के संरचना संबंधी कार्य पूरे कर दिए गए हैं। पूर्वी टर्मिनल भवन का निर्माण कार्य, उत्तरी टर्मिनल भवन की फिनिशिंग कार्य, प्रस्थान अग्रभाग, आगमन अग्रभाग, आवासीय टावर, प्लेटफॉर्म उन्नयन जिसमें प्लेटफॉर्म शेल्टर शामिल है और मौजूदा प्रतीक्षालय के नवीनीकरण कार्य शुरू किए गए हैं।

* दक्षिण रेलवे के कडलूर पोर्ट जंक्शन, पनरुटी और पेनाडम स्टेशनों पर यात्री सुविधाएँ निर्धारित न्यूनतम अनिवार्य सुविधाओं (एमईए) मानकों से अधिक मुहैया कराई गई हैं। हाल के वर्षों में, कडलूर पोर्ट जंक्शन स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या 4 और 5 की सतह में सुधार और स्टेशन प्रवेश संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं। पनरुटी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 की सतह में सुधार संबंधी कार्य शुरू किया गया है। पेनाडम स्टेशन

पर प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 की सतह को ऊंचा उठाने का कार्य स्वीकृत किया गया है और निविदा प्रक्रिया शुरू की गई है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार कार्य किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्यों को स्वीकृति देते और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

मास्टर प्लानिंग एक पुनरावृत्तिमूलक प्रक्रिया है जिसमें इष्टतमीकरण की आवश्यकता होती है और इस प्रकार के इष्टतमीकरण के लिए समय सीमा और अन्य विवरण इस चरण में नहीं बताए जा सकते हैं।

इसके अलावा, स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण, जिसमें अमृत भारत स्टेशन योजना शामिल है, सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के तहत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के तहत आवंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे के अनुसार रखा जाता है न कि कार्य-वार, स्टेशन-वार अथवा राज्य-वार। तमिलनाडु राज्य दो रेलवे जोनों अर्थात् दक्षिण रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आता है। पिछले चार वर्षों और चालू वर्ष के लिए 5,449 करोड़ रू. आवंटित किए गए हैं जबकि पिछले चार वर्षों और चालू वर्ष (अक्टूबर, 2025 तक) में 4,439 करोड़ रू. का व्यय उपगत किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइपलाइन, विद्युत/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अतः इस समय कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

******